अयोध्या आ रहे हैं। Part III में Fundamental Rights हैं। अगर Directive Principles की बात करें, तो कुरुक्षेत्र की भूमि में कृष्ण अर्जुन को उपदेश दे रहे हैं। शुरुआत में देखेंगे, तो गुरुकुल पद्धति दिखाई गई है। इसमें शिवाजी का वर्णन है, इसमें अकबर का भी वर्णन है, इसमें नेताजी सुभाष का भी वर्णन है और कोई ऐसी वजह नहीं है कि जिस मूल प्रति पर संविधान निर्माताओं ने, डा. भीमराव अम्बेडकर ने दस्तखत किये हैं, वही असली संविधान है, उसी का संज्ञान जनता को कराना चाहिए और इसमें एक भी अगर कोई भटकाव है, किसी भी क्षेत्र से, तो हमें अविलम्ब सुधार करना चाहिए। मैं फिर पुरजोर तरीके से कहता हूँ कि संसद की स्वायत्तता तभी कायम रहेगी, जब भारत के संविधान के मूल प्रति में वही बदलाव अंकित हों, जो सदन ने स्वीकार किये हैं और महामहिम राष्ट्रपति जी ने दस्तखत किये हैं। उसमें अगर किसी भी परिस्थिति में किसी भी अन्य संस्था ने कोई बदलाव किया है, तो वह संविधान का अंग नहीं हो सकता। मैं सदन के नेता से आग्रह करूँगा कि डा. राधा मोहन दास अग्रवाल जी ने जो मौलिक मुद्दा उठाया है, उसके सकारात्मक नतीजे दूरगामी हैं। सभी को बोध होगा, जो भी भारतीय संविधान का अध्ययन करेगा या उसको काम में लाएगा, कि मेरे संविधान में, हमारे संविधान में इसकी आत्मा कहाँ से आई है। इसलिए मैं आग्रह करूँगा कि इसमें अविलंब कदम उठाये जायें, I And, I am a little puzzled and surprised that the Leader of the Opposition has walked out. I do not find any rational ground for that. It is, according to me, a direct insult to Dr. B.R. Ambedkar. How can anyone contemplate coming in the way of disseminating that Constitution, of which Dr. B.R. Ambedkar was the architect; that Constitution which was signed by our founding fathers? I am sure the sentiments of the House have been taken note of.

Concern over not conferring Bharat Ratna to Raja Mahendra Pratap

श्री रामजी लाल सुमन (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय जी, राजा महेन्द्र प्रताप पत्रकार, लेखक, दानवीर और देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में से एक थे। पूरे देश में उनका नाम बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है।

(**उपसभापति महोदय** *पीठासीन हुए*)

भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में उनका विशेष योगदान था और यह देश उनकी सेवाओं के लिए सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने मुस्लिम यूनिवर्सिटी सहित तमाम संस्थाओं को दान दिया। यह अलग बात है कि किसी में कोई शिलालेख नहीं है, पट्टिका नहीं है, लेकिन वे महान दानवीर थे।

उपसभापति महोदय, उनका जन्म उत्तर प्रदेश के मुरसान रियासत के घनश्याम सिंह के यहाँ हुआ था और 3 वर्ष की उम्र में ही हाथरस के राजा हृदय नारायण सिंह ने उन्हें गोद ले लिया और वे दत्तक पुत्र के रूप में बने। 1906 में जब कोलकाता में कांग्रेस का सम्मेलन हुआ, तो उन्होंने वहां स्वदेशी और स्वावलंबन की वकालत की, स्वदेशी पहनने का संकल्प लिया और विदेशी कपड़ों की होलियां जलवाईं। वे अपनी पत्नी को छोड़ कर चले गए और जब उनकी पत्नी ने पूछा

कि कहां मुलाकात होगी, कब मिलेंगे, तो उन्होंने कहा कि जब अफगान की सेना मेरे साथ होगी, तभी आपसे मिलना संभव होगा। वह बिना पासपोर्ट के ही इटेलियन जहाज से लंदन के लिए रवाना हो गए और वहाँ से स्विट्जरलैंड और इटली होते हुए जर्मनी पहुंचे। 1915 में वे अफगानिस्तान गए और 1916 में उन्होंने अफगानिस्तान में आजाद हिंद सरकार की स्थापना की। 6,000 अफगानी सैनिकों को लेकर उन्होंने अंग्रेजी फौज पर हमला किया। उसमें वे असफल रहे, लेकिन अंग्रेजी सरकार की चूलें हिल गईं। उपसभापति महोदय, वे अंतरिम सरकार के पहले राष्ट्रपति थे। मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली को उन्होंने प्रधान मंत्री बनाया। 1923 में ...(**समय की घंटी**)... *

श्री उपसभापतिः माननीय रामजी लाल सुमन जी, आपका समय खत्म हो गया। अब आपकी बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है। Thank you.

The following hon. Members associated themselves with the issue raised by the hon. Member, Shri Ramji Lal Suman: Prof. Ram Gopal Yadav (Uttar Pradesh), Shri Javed Ali Khan (Uttar Pradesh), Shri A.A. Rahim (Kerala) and Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal).

Now, Dr. V. Sivadasan - Concern over problems faced by people living near protected forests.

Concern over the problems faced by people living near protected forests

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Respected Chair, the wildlife attacks on lives and livelihoods are increasing. Hundreds of human beings have lost their lives in such attacks. The data shows that in 2023-24, 606 persons lost their lives by the attack of elephants. In 1991, the number of people killed by elephants was 213. But now the number has tripled. There is a 300 per cent increase. In Odisha, 154; in Bengal, 99; and in Assam, 74 people were killed because of the attack by elephants. In Maharashtra, 82 people were killed by tigers. In India, 30 people are killed by animals every day. In the world, India has the largest number of people killed by wild animals. In my home State, Kerala, in 2023-24, 94 persons lost their lives because of wildlife attack. In Bathery, Noolpuzha, Mananthavady in Wayanad, Aralam farm, Iritty, Kottiyyoor, Kelakam and other areas in Kannur, a lot of animal attacks have been reported. In a single area, Aralam farm, 14 *adivasis* were killed in the last ten years. The Government of Kerala has taken a lot of measures for protecting the people but the existing outdated wildlife protection law is acting as a barrier in front of the measures taken by the State Government. The Union Government should change the

* Not recorded.